सतसंग वाली नगरी चल रे मना

सतसंग वाली नगरी चल रे मना,
पी ले राम जी के चरणों
का तूँ जल रे मना,
चल रे मना, चल रे मना,

पी ले राम जी के चरणों
का तूँ जल रे मना,
सतसंग वाली नगरी.....
इस नगरी में प्रेम की गँगा,

जो भी नहाए हो जाए चंगा,
मल मल के तूँ निर्मल कर रे मना,
सतसंग वाली नगरी.....
सतसंग के है अज़ब नज़ारे,

बहुत सुहाने बहुत ही प्यारे,
पी ले सुख और शांति
का फल रे मना,
सतसंग वाली नगरी .....

सतसंग का है संग निराला,
मनमंदिर में जो करे उजाला,

अपने जीवन को सफल

तूँ कर रे मना,
सतसंग वाली नगरी .....

Source:
https://www.bharattemples.com/satsang-vali-nagari-chal-re-mana-pee-le-ram-ji-ke-charno-ka-tu-jal-re-mana/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw